यूपी में बनेंगे दुनिया के सबसे हाइटेक ड्रोन

यूएएस टेस्टिंग फाउंडेशन बनेगा : विकसित होंगे तीन हजार किमी तक की दूरी तय करने वाले ड्रोन

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। यूपी ड्रोन व मानवरहित विमान का गढ़ बनेगा। यहां दुनिया के सबसे उन्नत इजरायल के हेरॉन ड्रोन और अमेरिका के एमक्यू-9बी ड्रोन से भी हाइटेक ड्रोन विकसित करने पर शोध होगा। परीक्षण और शोध केंद्र के लिए 60 करोड़ की लागत से यूएएस टेस्टिंग फाउंडेशन बनेगा। यूएएस मानवरहित विमान प्रणाली है। योजना के लिए 45 करोड़ केंद्र सरकार देगी। इसके तहत यूपी डिफेंस कारीडोर में सेना के लिए सुसाइडल ड्रोन, दो से तीन हजार किलोमीटर की दूरी तय करने वाले, मीलों ऊपर से ही खुफिया निगरानी करने वाले ड्रोन विकसित होंगे।

मैकेनिकल और इलेक्ट्रिक हमले से होंगे बेअसर

- यूपी में 15 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन, 500 किलोमीटर की रफ्तार से लैस ड्रोन और एक बार फ्यूल टैंक भरने के बाद 40 घंटे तक उड़ान भरने वाले ड्रोन पर काम होगा। ये मैकेनिकल और इलेक्ट्रिक हमले से बेअसर होंगे। दुश्मन के अड्डे की रेकी करेंगे। तीन हजार किलो तक के हथियार आसानी से ले जाने में सक्षम होंगे।

2030 तक भारत में होगा 1.08 लाख करोड़ रुपये का ड्रोन बाजार

वैश्विक ड्रोन बाजार करीब 1.17 लाख करोड़ रुपये का है। 2032 तक 4.52 लाख करोड़ होने का अनुमान है। वहीं भारतीय ड्रोन टेक स्टार्टअप रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ड्रोन बाजार 2030 तक 1.08 लाख करोड़ का होगा।

	भागीदारी करोड़ में
रक्षा मंत्रालय	45
एचएएल	05
भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल)	03
भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल)	03
यंत्र इंडिया लिमिटेड	1.5
ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड	1.5
एन्ड्योर एयर सिस्टम्स	01

आईआईटी कानपुर टेक्नोपार्क और यूपीडा भी सहयोगी होंगे।

यूएएस विमान और ड्रोन में इंसान नहीं होता। यूएएस को आमतौर पर मानव रहित हवाई प्रणाली, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) और ड्रोन के रूप में जाना जाता है। यूपी में यूएएस टेस्टिंग फाउंडेशन के लिए मुख्य सचिव व अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह की मौजूदगी में यूपीडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीहरि प्रताप शाही और अन्य संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच समझौता हो चुका है।